2. ईदगाह (कहानी)

लेखक - प्रेमचन्द

प्रस्तावनात्मक प्रश्नोत्तर ।

1. **पथिकों को जलती दुपहर में सुख व आराम किससे मिलता है ?**

उ. पथिकों को जलती दुपहर में सुख व आराम पेड़ों से मिलता है

2. **खुशबू भरे फूल हमें क्या देते हैं ?**

उ. खुशबू भरे फूल हमें नव फूलों की माला देते हैं ।

3. **'हम भी तो कुछ देना सीखे' - कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा ?**

उ. प्रकृति में स्थित पेड़ - पौधे, नदी - ताल, पर्वत आदि किसी न किसी प्रकार निस्वार्थ भावना से प्राणी मात्र को कुछ न कुछ देते रहते है । इसलिए मनुष्य को भी निस्वार्थ भावना से सभी की मदद करते हुए कुछ देना चाहिए । इसलिए कवि ने ऐसा कहा होगा कि 'हम भी तो कुछ देना सीखे' ।

प्रश्नोत्तर ।

1. **ईद के दिन का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ?**

उ. रमज़ान के पूरे तीस रोज़ा के बाद ईद आयी । ईद का दिन बहुत ही मनोहर और सुबह सुहावनी थी । वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली थी । आसमान पर लालिमा थी । ईद के दिन का सूर्य बहुत ही प्यारा और शीतल था । ऐसा लग रहा था मानों संपूर्ण प्रकृति ही संसार को ईद की बधाई दे रही हो ।

2. हामिद गरीब है फिर भी वह ईद के दिन अन्य लड़कों से अधिक प्रसन्न है क्यों ?

उ. त्यौहारों से खुशियाँ बढ़ती है । त्यौहार जीवन में नयी उमंग भर देती हैं । इसलिए अमीर - गरीब सभी त्यौहारों के आने का बड़ा बेसबरी से इंतज़ार करते हैं । त्यौहारों में बड़ों से कहां अधिक बच्चे उत्साह और आनंद दिखाते है । सभी बच्चे ईद वाले दिन अपने भाई, पिता के साथ ईदगाह जा रहे थे । वहीं हामिद के पिता न होते हुए भी मित्रों के साथ ईदगाह जाने के लिए हामिद अन्य लड़कों से अधिक प्रसन्न लग रहा था । पिता की मृत्यु के बाद अकेले ईदगाह जाने की उतावली में वह अधिक प्रसन्न लग रहा था ।

3. हामिद के अंदर प्रकाश है, बाहर आशा की किरण' ऐसा लेखक ने क्यों कहा होगा ?

उ. हामिद एक गरीब बालक था । उसके माता - पिता नहीं थे । वह अपनी दादी के साथ रहता था । ईद के दिन उसके घर में एक दाना तक नहीं है । उसकी बूढ़ी दादी उसे अकेले ईदगाह नहीं भेजना चाहती थी । अभागा होने पर भी वह अपनी दादी से कहता है कि तुम डरना नहीं अम्मा, मैं सबसे पहले आऊँगा । इस प्रकार अपनी दादी में आशा जगाता है । इसलिए लेखक ने ऐसा कहा कि हामिद के अंदर प्रकाश है, बाहर आशा की किरण' क्योंकि गरीब होते हुए भी ईद का आनंद उठाना चाहता है।

4. हामिद चिमटा क्यों खरीदना चाहता था ?

उ. हामिद ने ईदगाह के मेले में लोहे की चीजों की दुकान में चिमटा देखा । हामिद की दादी के पास चिमटा नहीं था । जब दादी तवे से राटियाँ उतारती तो उसके हाथ जल जाते थे और यह हामिद से देखा नहीं जाता था । अगर चिमटा ले जाकर दादी को देगा । तो वह प्रसन्न हो जाएगी और उनकी ऊँगलियाँ कभी नहीं जलेंगी । इस

प्रकार अपनी दादी अम्मा की ऊँगलियाँ जलने से बचाने के लिए हामिद चिमटा खरीदना चाहता था ।

5. **हामिद के हृदयस्पर्शी विचारों के प्रति दादी अम्मा की भावनाएँ कैसी थी ?**

उ. हामिद के हृदयस्पर्शी विचारों के प्रति दादी अम्मा की भावनाएँ उदार थी । पहले तो वह गुस्से में आती है और थोड़ी देर बाद उसका सारा गुस्सा स्नेह में बदल जाता है। वह सोचने लगती है कि बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है। दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर उसका मन कितना ललचाया होगा । वहाँ भी बूढ़ी दादी की याद बनी रही । उसका मन गदगद हो गया और वह आँचल फैलाकर हामिद को दुआएँ देती रही ।

(अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया)

प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. **'ईदगाह' कहानी के कहानीकार कौन है ? उनकी रचनाओं की विशेषता क्या है ?**

उ.

'ईदगाह' कहानी के कहानीकार 'प्रेमचंद' जी है। इनकी रचनाओं की मुख्य विशेषता यह है कि इनकी रचनाओं में आम भारतीय जनमानस की तस्वीर उभर कर सामने आती है। समाज में व्याप्त शोषण और भ्रष्टाचार को उजागर करने का प्रयत्न इनकी रचनाओं मिलता है । इनकी रचनाएँ सामाजिक कुरीतियों एवं रुढ़ियों पर आघात करती है । समाज के मज दूर और किसान वर्ग की पोडित अवस्था का हृदयस्पर्शी वर्णन मिलता है । इन्होंने अपनी रचनाओं में ग्रामीण परिवेश के साथ मानव मन की कमजोरी और कर्त्तव्य पालन केआदर्श को प्रस्तुत किया है । इनके चरित्र सजीव लगते हैं ।

2. **बालक प्रायः अलग - अलग स्वभाव के होते हैं । कहानी के आधार पर बताइए कि हामिद का स्वभाव कैसा है ?**

उ. बालक प्रायः अलग - अलग स्वभाव के होते हैं । कहानी के आधार पर बताया जाए तो हामिद का स्वभाव दूसरे बालकों से भिन्न है । वह एक कोमल स्वभाव का बालक है । गरीब है किंतु निराशावादी नहीं हैं । वह निड़र है । वह दूसरों के दुःख दर्द को समझता है । निस्वार्थी स्वभाव का है । वह एक त्यागी, विवेकशील और सद्भावना से युक्त बालक है । उसके मन में बड़ों के प्रति आदर और सम्मान है ।

भाष की बात

(अ) **कोष्ठक में दी गयी सूचना पढिए और उसके अनुसार कीजिए ।**

1. **ईद, प्रभात, वृक्ष (वाक्य प्रयोग कीजिए । पर्याय शब्द लिखिए।)**

ईद - मुसलमानों का पवित्र त्यौहार ईद है (पर्याय - त्यौहार, पर्व)

प्रभात - प्रभात होते ही पक्षी चहकने लगते हैं। (पर्याय - प्रातःकाल, सबेरा)

वृक्ष - वृक्ष की डाल पर कोयल है। (पर्याय - पेड, तरू)

2. **अपराधी, प्रसन्न, मजबूत (विलोम शब्द लिखिए। वाक्य प्रयोग कीजिए)**

अपराधी ≠ निरपराधी

वाक्य : - पुलिस आजकल अपराधी को छोड्कर **<u>निरपराधी</u>** को पकड रही है।

प्रसन्न ≠ अप्रसन्न / खिन्न

बच्चे पास रहने पर माँ प्रसन्न रहती है और दूर हो जाने पर खिन्न हो जाती है।

मजबूत ≠ कमजोर

पुरानी इमारते मजबूत थो लेकिन नयी कमजोर हैं।

3. **मिठाई, चिमटा,सडके (वचन बदलिए । वाक्य प्रयोग कीजिए)**

मिठाई - मिठाइयाँ

बच्चों को मिठाइयाँ पसंद होती है ।

चिमटा - चिमटे

वाक्य : - लुहार लोहें से चिमटे बनाते हैं।

सडक - सडके

वाक्य : - शहर में सडकें लम्बी होती हैं।

(आ) सूचना पढिए ओर उसके अनुसार कीजिए।

1. **बेसमझ, सद्भाव, निडर (उपसर्ग पहचानिए)**

बेसमझ - बे, सद्भाव - सद्, निडर - नि

2. **दुकानदार, भडकीला, गरीबी (प्रत्यय पहचानिए)**

दुकानदार - दार भडकीला - ईला गरीबी - ई

3. **मीठा, प्रसन्न, बूढा (भाववाचक संज्ञा में बदलिए)**

मीठा - मिठास, प्रसन्न - प्रसन्नता बूढा - बुढापा

(इ) इन्हें समझिए

1. **हामिद के बाजार <u>से</u> आते हो अमीना ने उसे छाती <u>से</u> लगा लिया।**
2. हामिद ने कहा **<u>कि</u>** घर **<u>की</u>** देखरेख दादी ने **<u>की</u>** ।

Sakshieducation.com

(ई) पाठ में आए मुहावरे पहचानिए और अर्थ समझिए

1. परलोक सिधार जाना - मृत्यु हो जाना
2. दिल गचोटना - दुःखी होना
3. दिल बैठ जाना - डर जाना
4. कलेजा मजबूत करना - साहस करना
5. धावा बोल देना - आक्रमण करना

1. **रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आयी ।**

रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आयी है।

रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आयो थी ।

रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आयी होगी ।

रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आ रही थी ।

रमजान के पूरे तीस रोजे होते तो ईद आती ।

हाँ या नहीं में उत्तर दीजिए ।

1. हामिद के पास पचास पैसे थे ? **(नहीं)**
2. अमीना हामिद की मौसी थी । **(नही)**
3. मोहसिन भिश्ती खरीदता है । **(नहीं)**
4. हामिद खिलौने खरीदता है । **(नहीं)**

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

1. अमीना का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया ।
2. कीमत सुनकर हामिद का दिल बैठ गया ।

3. हामिद चिमटा लाया ।

4. महमूद के पास बारह पैसे थे ।

अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(अनुच्छेद पृष्ठ संख्या 8 से)

1. **माता - पिता की सेवा में कौन तत्पर था ?**

उ. माता - पिता की सेवा में श्रवण कुमार तत्पर था ।

2. **श्रवण कुमार के बारे में आप क्या जानते है ?**

उ. श्रवण कुमार एक अंधे माता - पिता का पुत्र था । वह हमेशा माता - पिता की सेवा में लगा रहता था ।

3. **रेखांकित शब्द का संधि विच्छेद कीजिए ।**

१. सदैव = सदा + एव - वृध्दि संधि

4. **अनुच्छेद के लिए उचित शीर्षक दीजिए ।**

उ. ''श्रवण की मातृ - पितृ भक्ति ''

ईदगाह (सारांश)

लेखक परिचय : 'ईदगाह' कहानी के कहानीकार 'प्रेमचन्द' जी है । ये हिन्दी के प्रसिध्द कहानीकार और उपन्यासकार थे । उनका असली नाम धनपतराय था । इनकी प्रसिध्द रचनाएँ है - गोदान, निर्मला, कर्मभूमि मंगलसूत्र आदि है ।

बाल - मनोविज्ञान पर आधारित ईदगाह प्रेमचंद की उत्कृष्ट रचना है । इसमें मानवीय संवेदना और जीवनगत मूल्यों क तथ्यों को जोड़ा गया है । इस कहानी में दादी और पोते का मार्मिक प्रेम दर्शाया गया है ।

सारांश - ईदगाह कहानी मुसलमानों के पवित्र त्यौहार ईद पर आधारित है । पवित्र माह रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आई / ईद पर मुसलमान परिवारों में विशेषकर बच्चों में त्यौहार का उत्साह बहुत अधिक दिखाई देता है । सभी बहुत प्रसन्न है । हामिद सबसे ज्यादा प्रसन्न है । वह चार - पाँच साल का गरीब सूरत, दुबला - पतला लड़का है । जिसके माता - पिता नहीं है । हामिद अब अपनी बूढ़ी दादी अमीना के साथ रहता है । ईद के दिन दादी दु:खी है कि उसके घर में खाने को एक दाना तक नहीं है और हामिद मित्रों के साथ ईदगाह जाने वाला भी कोई नहीं है । वह अकेला मित्रों के साथ जाना चाहता है इसलिए दादी डरती है लेकिन वह अपनी दादी को धैर्य देता है कि वह जल्द ही लौटेगा ।

बड़े - बूढ़ों के साथ - साथ बालकों का दल भी ईदगाह की ओर बढ़ रहा है । ईदगाह के मेले में खूब खरीददारी कर रहे हैं । हामिद के मित्रों के खर्च करने के लिए काफी पैसे है । लेकिन हामिद के पास केवल तीन पैसे हैं । मेले में बच्चों को आकर्षित करने वाली अनेक चीजें हैं । सभी मिठाई खा रहे हैं । खिलौने खरीद रहे हैं । आनंद उठा रहे है परन्तुहामिद कुछ चीजों के दाम पूछकर गुण - दोष विचार कर वहाँ से आगे बढ़ता रहता है । (लेखकइस प्रकार हामिद की पारिवारिक दशा का बोध करा रहे हैं ।) हामिद बहुत जागरुक व्यक्तित्व वाला लड़का है, वह जानता है कि उसकी दादी को चिमटे की बहुत जरुरत है इसलिए वह मेले में फ़िजूल खर्च ना करके चिमटा लेना उचित समझता है । हामिद जब चिमटा लेकर आता है तो उसकी दादी बहुत गुस्सा होती है । तब वह कहता है कि तुम्हारी उँगलिया तवे से जल जाती थी इसलिए मैं इसे लाया हूँ । यह सुनकर दादी अमीना रोने लगती है और दामन फैलाकर हामिद को दुआएँ देने लगती है ।

sakshieducation.com

इस प्रकार लेखक ने हामिद के चरित्र द्वारा बच्चों के भोलेपन को दर्शाते हुए जिम्मेदारी, कर्त्तव्य आदि भावनाओं को उजागर किया है । उन वर्गों का वर्णन है जो अपनी वास्तविक स्थिति को जानते हुए अपने सीमित साधनों से सही मार्ग चुनकर अपने समाज का निर्माण करते हैं ।

छंद

परिभाषा : - गेय, लय और तालबद्ध कविता का नाम छंद है ।

इसरी रचना वर्णो अथवा मात्राओं की गणना के आधार पर की जाती है ।

छंद के अंग : छंद के आठ अंग है ।

1. चरण अथवा पद 2. मात्रा 3. वर्ण 4. वृत्त (लघु और गुरु)
5. यण और क्रम 6.यति 7. तुक

1. **चरण :** छंद में चार चरण होते हैं । इन्हें पद या पाद भी कहते हैं । छंद में चरण या पंक्तियों की संख्या अलग - अलग होती है । दोहा - सौरठा दो - दो पंक्तियाँ, सवैया और कवित्व में चार - चार और छप्पय तथा कुंडलियों में छः पंक्तियाँ होती हैं ।

1. चरण दो प्रकार के होते हैं । 1. सम चरण (प्रथम एवं तृतीय चरण)
2. विषम चरण (द्वितीय चरण और चतुर्थ चरण)

2. **मात्रा** - वर्ण में लगने वाले समय का नाम मात्रा है । (ह्रस्व स्वर में एक मात्रा (।) दीर्घ स्वर में दो मात्राएँ होती हैं । (ऽ) इस चिह्न से व्यक्त करते हैं ।

3. **वर्ण :** छंद शास्त्र की वह क्रिया है जिससे पता चलता है कि छंद में ह्रस्व एवं दीर्घ (लघु और गुरु) कितने हैं । इन्हें वर्णों की गिनती द्वारा व्यवस्थित किया जाता है ।

4. **वृत्त :** लघु और गुरु, ह्रस्व और दीर्घ (।, ऽ) वर्णों के क्रम का नियम ही वृत्त कहलाता है ।

5. **गण और क्रम :** गण का अर्थ समूह है । छंद शास्त्र में तीन वर्णों के समूह को गण कहते हैं । लघु और दीर्घ ह्रस्व एवं गुरु के आधार पर यह आठ है ।

यमाता राजभानसलगा ।

1. यमाता (। ऽ ऽ) मातारा (ऽ ऽ ऽ) ताराज (ऽ ऽ ।) राजभा (ऽ । ऽ) जभान (। ऽ ।)

भानस (ऽ । ।) नसल (। । ।) सलगा (। । ऽ)

6. यति : छंद को पढ़ते समय विश्राम अथवा विराम आदि के ज्ञान को यति कहते हैं .

7. गति : छंद को पढ़ते समय अनुभव होने वाले पद प्रवाह का नाम गति हैं .

8. तुक : चरणों के अंत में होने वाली वर्णो की आवृत्ति को तुक कहते हैं । तुक से छंद लयबध्द तालबध्द होता है । हिन्दी छंद शास्त्र में तुक छंद की आत्मा है ।

छंद के भेद

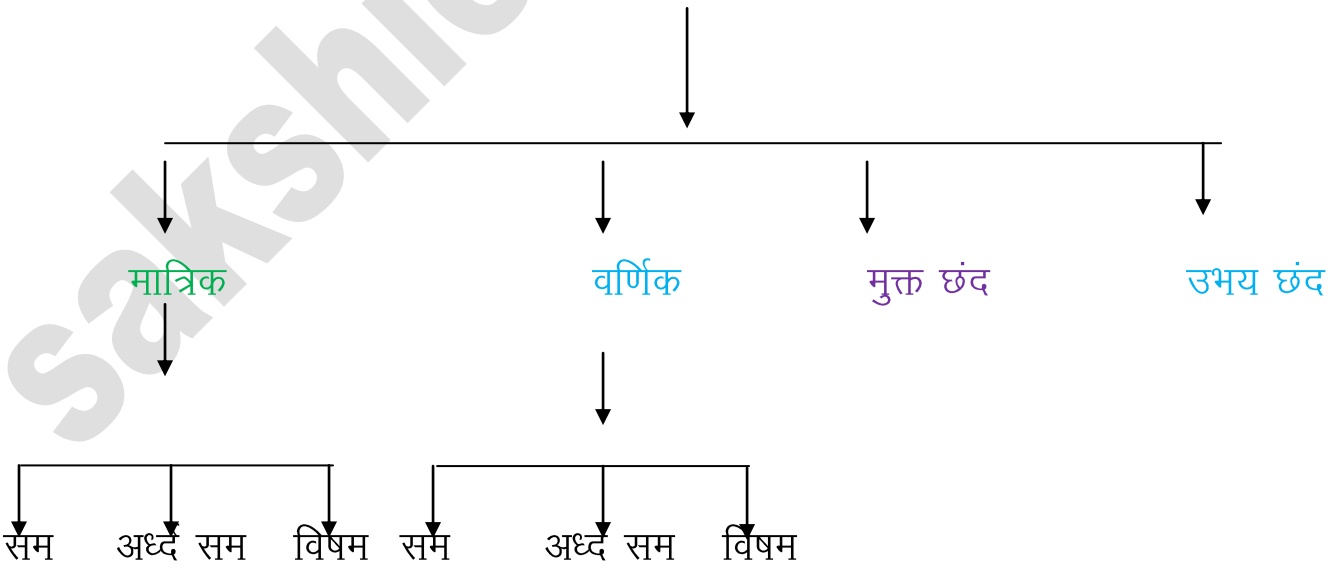

मात्रिक छंद

जिन छंदों की रचना मात्राओं की गणना के अनुसार की जाती है उन्हें मात्रिक छंद कहते हैं ।

1. चौपाई 2. दोहा 3. सोरठा 4. रोला 5. कुंडली 6. हरगीतिका 7.छप्पय आदि मात्रिक छंद हैं ।

1. चौपाई के पहले चरण में 16 मात्राएँ होती है, अंतिम वर्ण गुरु या दीर्घ होता हैं ।

जैसे : जल संकोच विकल भय मीना - 16

। ।   ऽ ऽ । । । । । ।   ऽ ऽ

वर्णिक छंद

वर्ण गणना के आधार पर रचे गए छंदों को वर्णिक छंद कहते हैं । इनके प्रत्येक चरणों में वर्णों की संख्या तथा गुरु व लघु मात्राओं के स्थान या क्रम समान होते हैं ।

वर्णिक छंद दो प्रकार के होते हैं ।

1. साधारण   2. दंडक

1. साधारण वर्णिक छंद के पदों में वर्णों की संख्या 26 तक होती है ।

1. सवैया : साधारण वर्णिक छंद है । इसमें 22 से 26 वर्णों तक के छदों को सवैया कहते हैं । इसमे प्रायः 23 वर्ण होते हैं ।

जैसे : मो मन में निहचै सजनी यह तातहु ते प्रन मेरो महा है ।

। । ।   । । । ।   । । ।   । ।   । । ।   । । ।   । ।   । । ।

2. घनाक्षरी : घनाक्षरी छंद में ३१ वर्ण होते हैं । 16 वें वर्ण पर और उसक बाद 15 वें पर यति (विश्राम) होती है यह दंडक वर्णिक छंद है । 16+15 = 31

जैसे : हाथिन सों हाथि मारे, घोरे सों संघारे घोरे - 16

रथनि सा रथ विदरिन बलवान की   1 - 15

3. कवित्व मनहर - यह दंडक वर्णिक छंद है इसके प्रत्येक चरण में 31 वर्ण होते है । 16 वर्णो के बाद यति (विश्राम) होता है । इसका अंतिम वर्ण गुरु होता है ।

जैसे : मंजुल मृदुल मुरली के स्वर क समान - 16

उनका सरस गान गुंजता है कान में - 15

मुक्त छंद

मुक्तक छंद अनियमित, असमान, स्वच्छंद और भावानुकूल यति विधान की रचना है ।

उभय छद

उभय छंद में वर्णों तथा मात्राओं, दोनों की ही संख्या निश्चित एवं नियमित होती है ।

1.**जैसे :** ऊपर को जल सूख सूखकर उड़ जाता है । मात्राएँ - 24 वर्ण - 17

ऽ।। ऽ ।। ऽ। ऽ।।। ।। ऽऽ ऽ

2. **दोहा** - इस छंद में प्रथम और तीसरे चरण में 13-13 और दूसरे तथा चौथे चरण में 11 -11 मात्राएँ होती है । इस प्रकार दोहे में 24 मात्राएँ होती है ।

दोहा : रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून (13 + 11 = 24)

3. **सोरठा :** यह दोहे के विपरीत होता है अर्थात इसके प्रथम व तृतीय चरण में 11 - 11 मात्राएँ एवं द्वितीय - चतुर्थ चरण में 13 - 13 मात्राएँ होती है ।

जैसे : विहरहि वन चहुँ ओर, प्रतिदिन प्रमुदित लोग सब (11 + 13 = 24)

।।।। ।। ।। ऽ। ।।। ।।। ऽ। ।।

4. **रोला :** यह 24 मात्राओं का छंद है जिसमें 11 मात्राओं के बाद विश्राम (यति) होता है । चरण के अंत में दो लघु होते हैं ।

जैसे : उत्तर दिसि नगराज अटल छवि सहित विराजत - (11 + 13 = 24)

। ऽ । । । । । ऽ । । । । । । । । । । ऽ । ।

5. **कुंडली :** यह विषम (द्वितीय - चतुर्थ चरण) मात्रिक छंद है । यह दोहा तथा रोला छंदों के याग से बनता है । एक कुंडली में 6 चरण होते हैं । आरंभ में दोहा और अंत के चार चरणों में रोला होता है । प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ होती हैं ।

जैसे : बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताय) (13 + 11 = 24)

। ऽ । ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । । ऽ ।

6. **हर गीतिका :** यह 28 मात्राओं का छंद है । अंतिम शब्द में लघु तथा गुरु होते हैं . चरण

में प्राय: 16 मात्राओं का छंद है अंतिम शब्द में लघु तथा गुरु होता है ।

जैसे : मुख से न होकर चित्त से देशानु रागी हो सदा (16 + 12 = 28)

हैं सब स्वदेशी बंधु उनके, दु:ख भागी हो सदा (16 + 12 = 28)

7. **छप्पय :** छप्पय में 6 पद अथवा चरण होते हैं । षट पद भी कहते हैं । प्रथम चार चरण में रोला और अंतिम दो पद उल्लाला के होते हैं । (11 + 13 =24) मात्राएँ होती हैं ।

*****

sakshieducation.com